भारतीय स्टेट बैंक के चैयरमैन भट्ट ने लिया आचार्य महाप्रज्ञ से आशीर्वाद

नैतिकता शून्य धर्म समाज को धोखा दे रहा है : आचार्य महाप्रज्ञ

लाडनूं, 1 जून।

भारतीय स्टेट बैंक के चैयरमैन ओमप्रकाश भट्ट ने अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री महाप्रज्ञ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। विशेष उद्देश्य लेकर जैन विश्व भारती पहुंचे भट्ट ने आचार्य महाप्रज्ञ से विभिन्न मुद्दों पर लगभग 1 घंटे तक मार्गदर्शन प्राप्त किया।

वार्तालाप के दौरान आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि नैतिकता शून्य धर्म व्यक्ति और समाज को धोखा दे रहा है। धार्मिक दिखने वाला भी बाजार में अनैतिक कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नैतिकता धर्म का मूल है। हमने अहिंसा यात्रा के द्वारा नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा करने का प्रयास किया है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने भट्ट को हिंसा एवं अपराध को कम करने के क्षेत्र में कार्य करने का इंगित करते हुए कहा कि व्यक्ति के दिमाग में क्रोध, हिंसा, पद पाने की लालसा, जातिय उन्माद आदि अनेक विकृतियां है। इनका परिष्कार करने के लिए प्रशिक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के द्वारा किया गया संकल्प केवल कोन्सियस माइंड तक ही जाता है। जहां पर कोई बात टिकती नहीं है। अनकोन्सियस माईंड तक जाने वाली बात टिकती है। अनकोन्सियस माईंड हमारा स्टोर हाऊस है जहां से परिवर्तन घटित होता है। वहां पर बात पहुंचाने के लिए प्रयोग आवश्यक है। प्रयोग के द्वारा एकाग्रता का विकास होने पर संकल्प अनकान्सियस माईंड तक पहुंचता है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने सापेक्ष अर्थशास्त्र की चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान में बड़े–बड़े कारखानों के विकास पर ध्यान दिया जा रहा हैं अमीर और अमीर बनते जा रहे हैं पर गरीब को दो समय की रोटी भी नसीब नहीं हो रही है। हम रिलेटिव इकोनोमिक्स के द्वारा इस भेदरेखा को मिटाना चाहते हैं। इसके साथ ही अहिंसा का प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे व्यक्ति का सन्तुलित विकास संभव है। उन्होंने कहा कि इस सन्दर्भ में जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर युवाचार्य महाश्रमण ने अहिंसा यात्रा, जीवन विज्ञान की जानकारी दी।

भारतीय स्टेट बैंक के चैयरमैन ओमप्रकाश भट्ट ने आचार्य महाप्रज्ञ के द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन के अनुसार कार्य में जुटने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने तनावमुक्ति के लिए सर्वेन्द्रिय संयम मुद्रा का अभ्यास किया।

इस अवसर पर जैन विश्व भारती के मंत्री भीखमचन्द पुगलिया, संयुक्त मंत्री भूरामल श्यामसुखा, आरबीट्रेटर प्रकाशचन्द बैद ने स्मृति चिन्ह व प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष शांतिलाल बरमेचा ने साहित्य भेंट कर भट्ट को सम्मानित किया। इस आयोजना में मुंबई प्रवासी सुमतिचन्द गोठी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

परिसर में बिताए ढाई घंटे

लाडनूं, 1 जून।

भारतीय स्टेट बैंक के चैयरमेन ओमप्रकाश भट्ट ने जैन विश्व भारती एवं जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की सुन्दरता एवं रमणीय वातावरण में ढाई घंटे से भी ज्यादा समय व्यतीत किया। उन्होंने आचार्य महाप्रज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त करने के बाद जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, शुभम गेस्ट हाउस, सचिवालय एवं परिसर के विभिन्न स्थानों का प्रदूषण रहित वाहन में बैठकर परिभ्रमण किया। उन्होंने जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक वातावरण की सराहना की।

हनुमानगढ़ कलेक्टर ने दर्शन किये

लाडनूं, 1 जून।

हनुमानगढ़ जिला कलेक्टर नवीन जैन ने राष्ट्रसंत आचार्यश्री महाप्रज्ञ के दर्शन किये। उन्होंने आचार्य महाप्रज्ञ को हनुमानगढ़ में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करने का अनुरोध किया। आचार्य महाप्रज्ञ के प्रवचन एवं साहित्य रसिक नवीन जैन अपने सम्पूर्ण परिवार के साथ जैन विश्व भारती पहुंचे। आचार्य महाप्रज्ञ ने प्रशासन में पारदर्शिता लाने की प्रेरणा दी। नवीन जैन ने जैन विश्व भारती परिसर का अवलोकन करने के साथ तुलसी कला प्रेक्षा को अद्भूतकला का खजाना बताया।

मोमासर पधारने की भावपूर्ण अर्ज

लाडनूं, 1 जून।

मोमासर से संघ के रूप में पहुंचे श्रावक समाज ने आचार्य महाप्रज्ञ युवाचार्य महाश्रमण के मोमासर पधारने की भावपूर्ण अर्ज पेश की। इस मौके पर मोमासर निवासी विभिन्न प्रदेशों में प्रवास करने वाले जैन समाज के लोग मौजूद थे। समाज की ओर से पदमचन्द पटावरी ने ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रखते हुए युवाचार्य महाश्रमण से मोमासर में लंबा प्रवास देने का अनुरोध किया। तेरापंथ महिला मण्डल एवं कन्या मण्डल के गीत द्वारा भावों की अभिव्यक्ति दी। मित्रमण्डल मोमासर ने 'प्यासी धोरा री धरती महेर कराओ' गीत से मांग प्रस्तुत की। साध्वी आरोग्यश्री ने अपनी जन्मभूमि पर पधारने की अर्ज की।

इस मोके पर युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि मोमासर छोटा क्षेत्र है, पर वहां कार्यकर्त्ताओं की फोज है। सबमें संघ के प्रति समर्पण का भाव है। उन्होंने कहा कि थली के क्षेत्रों में मोमासर का गरिमापूर्ण स्थान है। उन्होंने मोमासर वासियों की अर्ज पर चिंतन करने का आश्वासन दिया।

– अशोक सियोल

99829 03770